अध्याय - 6 नागरिकता

स्मरणीय तथ्य

- नागरिकता पर विचार व्यक्त करने वाला पहला विचारक अरस्तु था।
- अरस्तु का कहना था कि नागरिकों के मिलने से राज्य बनता है।
- "सिटीजनशिप एंड सोशल क्लास" नामक पुस्तक की रचना टी. एच. मार्शल ने किया था।
- नागरिकता शब्द की उत्पत्ति सबसे पहले प्राचीन ग्रीस (प्राचीन यूनान) में हुआ था।
- भारत में नागरिकता अधिनियम 1955 ई. में पारित किया गया था।
- भारत में एकल नागरिकता की व्यवस्था की गई है।
- भारतीय संविधान में एकल नागरिकता की अवधारणा ब्रिटेन के संविधान से लिया गया है।
- भारत में वंश के आधार पर ,जन्म के आधार पर, रजिस्ट्रेशन (पंजीकरण) के आधार पर और देशीकरण के द्वारा नागरिकता ग्रहण किया जा सकता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका ,स्विट्जरलैंड ,ऑस्ट्रिया एवं यूनाइटेड किंगडम में दोहरी नागरिकता की व्यवस्था है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में 1861 ई गृह युद्ध शुरू हुआ था।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में 1865 ई में अब्राहम लिंकन ने दास प्रथा का अंत कर दिया था।
- नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों का जिक्र सर्वप्रथम फ्रांसीसी क्रांति 1789 ई. के दौरान किया गया था।
- मार्शल नागरिकता में तीन प्रकार के अधिकारों को शामिल करते हैं-नागरिक अधिकार, राजनीतिक अधिकार और सामाजिक अधिकार।
- फ्रांसीसी क्रांति (1789 ई.) के दौरान- समानता, स्वतंत्रता और भाईचारे का नारा दिया गया था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. नागरिकता शब्द की उत्पत्ति सबसे पहले किस देश में हुई थी?

a. प्राचीन यूनान b. फ्रांस
c. रूस d. ब्रिटेन

2. सबसे पहले किसने कहा था कि नागरिकों के मिलने से राज्य बनता है?

a. अरस्तू b. प्लूटो
c. मार्क्स d. इनमें से कोई नही

3. "सिटीजनशिप एंड सोशल क्लास" नामक पुस्तक की रचना किसने किया था?

a. बेंथम b. जेम्स मिल
c. टी.एच. मार्शल d. ऑस्टिन

4. नागरिक अधिकार हिफाजत करता है?

a. व्यक्ति के जीवन का
b. व्यक्ति के आजादी का
c. संपत्ति का
d. उपरोक्त सभी का

5. भारत में नागरिकता अधिनियम कब पारित किया गया?

a. 1950 ई b. 1955 ई
c. 1960 ई. d. 1965 ई

6. मार्शल सामाजिक वर्ग को किस रूप में चिन्हित किया है ?

a. असमानता की व्यवस्था
b. समानता की व्यवस्था
c. उपरोक्त दोनों
d. इनमें से कोई नहीं

7. भारत में किस प्रकार की नागरिकता को अपनाया गया है?

a. एकल नागरिकता
b. दोहरी नागरिकता
c. एकल नागरिकताऔर दोहरी नागरिकता
d. इनमें से कोई नहीं

8. मार्शल के अनुसार नागरिकता में कौन-कौन अधिकार शामिल होते हैं?

a. नागरिक अधिकार b. राजनीतिक अधिकार
c. सामाजिक अधिकार d. उपरोक्त सभी

9. भारतीय संविधान में एकल नागरिकता की अवधारणा किस देश से लिया गया है?

a. ब्रिटेन b. फ्रांस
c. जर्मनी d. जापान

10. किसने नागरिकता को किसी समुदाय की पूर्ण सदस्यता के रूप में परिभाषित किया है?

a. मॉर्गन b. टी.एच .मार्शल
c. ग्रीन d. अब्राहम

11. एक भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता कैसे त्याग सकता है?

a. स्वैच्छिक त्याग के द्वारा
b. दूसरे देश की नागरिकता स्वीकार कर
c. उपरोक्त दोनों
d. इनमें से कोई नहीं

12. निम्नलिखित में से किस देश में दोहरी नागरिकता का प्रावधान है?

a. भारत b. पाकिस्तान
c. बांग्लादेश d. संयुक्त राज्य अमेरिका

13. निम्नलिखित में से किस देश में दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है?
a. ऑस्ट्रिया
b. स्वीटजरलैंड
c. संयुक्त राज्य अमेरिका
d. ब्रिटेन

14. किसी लोकतांत्रिक देश के नागरिकों को कौन-कौन से अधिकार मिलना अनिवार्य है?
a. मतदान काअधिकार
b. अभिव्यक्ति का अधिकार
c. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
d. उपरोक्त सभी

15. मार्टिन लूथर किंग जूनियर नेता थे ?
a. फ्रांस
b. ब्रिटेन
c. संयुक्त राज्य अमेरिका
d. रूस

16. किसने कहा था कि हमें अपने रचनात्मक प्रतिरोध को कभी शारीरिक हिंसा में डालकर पतन का शिकार नहीं होने देना चाहिए?
a. मार्टिन लूथर किंग जूनियर
b. अब्राहम लिंकन
b. नेल्सन मंडेला
d. इनमें से कोई नहीं

17. संयुक्त राज अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन कब हुआ था?
a. 1954 ई-1968 ई b. 1960 ई-1970 ई
c. 1970 ई-1975 ई d. इनमें से कोई नहीं

18. संयुक्त राज्य अमेरिका में दास प्रथा का अंत कब कर दिया गया?
a. 1863 ई b. 1861 ई
c. 1865 ई d. 1870 ई

19. संयुक्त राज्य अमेरिका के किस राष्ट्रपति ने दास प्रथा का अंत कर दिया था?
a. अब्राहम लिंकन b. जिमी कार्टर
c. जॉन डगलस d. जॉन ऐडम्स

20. संयुक्त राज्य अमेरिका में गृह युद्ध कब हुआ था?
a 1861 ई b. 1862 ई
c. 1863 ई d. 1865 ई

21. भारतीय संविधान के अनुसार भेदभाव पर रोक किस आधार पर लगाया जाता है?
a. धर्म एवं जाति b. भाषा एवं क्षेत्र
c. मूल एवं वंश d. उपरोक्त सभी

22. भारत में एक समान नागरिकता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है?
a. सामाजिक असमानता
b. आर्थिक असमानता
c. सामाजिक एवं आर्थिक असमानता
d. इनमें से कोई नहीं।

23. मुंबई के झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोगों के आश्रय के अधिकार के तहत सर्वोच्च न्यायालय में किसने याचिका दायर किए थे?
a. जॉन डगलस. b. ओल्गा टेलिस
c. माइक पांडे d. जे. एस. वर्मा

24. ओल्गा टेलिस बनाम मुंबई नगर निगम पर मुंबई हाई कोर्ट ने कब फैसला दिया था?
a. 1960 ई b. 1965 ई
c. 1975 ई d. 1985 ई

25. भारत किस प्रकार का राष्ट्र है?
a. धार्मिक b. पंथनिरपेक्ष
c. राजतंत्र d. इनमें से कोई नहीं

26. दलाई लामा शरणार्थी के रूप में भारत कब आए थे?
a. 1959 ई b. 1962 ई
c. 1965 ई d. 1970 ई

27. दक्षिण अफ्रीका में समान नागरिकता पाने के लिए लंबी अवधि तक संघर्ष करना पड़ा था?
a. अश्वेत लोगों को b. श्वेत लोगों को
c. उपरोक्त दोनों को d. इनमें से कोई नहीं

28. भारत किस प्रकार का राष्ट्र है
a. हिंदू राष्ट्र b. मुस्लिम राष्ट्र
c. पंथनिरपेक्ष राष्ट्र d. इनमें से कोई नहीं

29. समान नागरिकता के लिए दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत लोग कब तक संघर्ष करते रहे?
a. 1990 के दशक तक b. 1980 के दशक तक
c. 1970 के दशक तक d. 1950 के दशक तक

30. भारतीय संविधान के किस भाग में नागरिकता का वर्णन है?
a. भाग 1 b. भाग 2
c. भाग 3 d. भाग 4

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1.a, 2.a, 3.c, 4.d, 5.b, 6.a, 7.a,
8.d, 9.a, 10.b, 11.c, 12.d, 13.d, 14.d,
15.c 16.a, 17a, 18.c, 19.a, 20.a 21.d,
22.c, 23.b, 24.d, 25.b, 26.a, 27.a, 28.c.
29.a, 30.b

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. दलाई लामा शरणार्थी के रूप में भारत कब आए थे?

उत्तर- दलाई लामा शरणार्थी के रूप में 1959 ई में भारत आए थे।

2. मुंबई के झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोगों के लिए किस सामाजिक कार्यकर्ता ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर किया था?

उत्तर- ओल्गा टेलिस नामक व्यक्ति ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर किया था।

3. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकारों का वर्णन है?

उत्तर- अनुच्छेद 21 में प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के अधिकार का वर्णन है।

4. यूरोप में लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग सर्वप्रथम किस देश ने किया था?

उत्तर- यूरोप में लोकतांत्रिक अधिकारों की मांग सर्वप्रथम फ्रांस में किया गया था।

5. भारत में एक समान नागरिकता के मार्ग में कौन सबसे बड़ी बाधा है?

उत्तर- भारत में एक समान नागरिकता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक एवं आर्थिक असमानता है ।

6. मार्टिन लूथर किंग जूनियर किस देश के नेता थे?

उत्तर- मार्टिन लूथर किंग जूनियर संयुक्त राज्य अमेरिका के काले नेता थे।

7. भारत में किस प्रकार की नागरिकता को अपनाया गया है?

उत्तर- भारतीय संविधान में एकल नागरिकता को अपनाया गया है।

8. संयुक्त राज्य अमेरिका में किस नागरिकता को अपनाया गया है?

उत्तर- संयुक्त राज्य अमेरिका में दोहरी नागरिकता की व्यवस्था है।

9. भारतीय नागरिकता अधिनियम कब पारित किया गया था?

उत्तर- भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 ई. में पारित किया गया था।

10. नागरिकता शब्द की उत्पत्ति सबसे पहले किस देश में हुई थी?

उत्तर- नागरिकता शब्द की उत्पत्ति सर्वप्रथम प्राचीन यूनान में हुई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. टी.एच. मार्शल ने नागरिकता के तहत कितने अधिकारों का जिक्र किया है?

उत्तर- मार्शल ने नागरिकता के तहत तीन अधिकारों का जिक्र किया है-

a. नागरिक अधिकार- यह अधिकार व्यक्ति के जीवन स्वतंत्रता और संपत्ति की हिफाजत करता है।

b. राजनीतिक अधिकार- यह अधिकार व्यक्ति को शासन प्रक्रिया में सहभागी बनाता है।

c. सामाजिक अधिकार- यह अधिकार व्यक्ति के लिए शिक्षा और रोजगार मुहैया कराता है।

2. ओल्गा टेलिस बनाम मुंबई नगर निगम वाद क्या है?

उत्तर- समाजसेवी ओल्गा टेलिस द्वारा मुंबई में झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोगों के हितों की रक्षा करने के लिए 1985 ई में सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन जीने की अधिकार की गारंटी देता है, जिसमें आजीविका का अधिकार भी शामिल है। इसलिए अगर मुंबई के झोपड़पट्टियों में रहने वाले लोगों को बेदखल करना हो तो उन्हें आश्रय के अधिकार के तहत वैकल्पिक जगह उपलब्ध करानी होगी।

3. एकल नागरिकता को परिभाषित करें।

उत्तर- भारतीय संविधान द्वारा भारत के लोगों को एकल नागरिकता प्रदान किया गया है। किसी व्यक्ति को भारत की नागरिकता देने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को प्राप्त है। जब किसी व्यक्ति को एक देश की नागरिकता प्राप्त हो जाता है तो उसे देश के किसी भी भूभाग में बसने एवं रहने का अधिकार प्राप्त हो जाता है।व्यक्ति को किसी प्रांत की नागरिकता प्राप्त करने की जरूरत नहीं होती है।

4. वैश्विक नागरिकता का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर- वैश्विक नागरिकता का विचार है कि किसी व्यक्ति की पहचान भूगोल या राजनीतिक सीमाओं से परे है। इसका मतलब यह नहीं की एक व्यक्ति अपनी राष्ट्रीयता या स्थानीय पहचान की निंदा करता है या उसे त्याग देता है, बल्कि अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का प्रयास करता है। मानव होने के कारण हमारा उत्तरदायित्व और जिम्मेदारियां वैश्विक स्तर का है और हम वैश्विक नागरिक हैं।

5. राष्ट्रीय नागरिकता की अवधारणा को स्पष्ट करें।

उत्तर- किसी देश में जन्म के साथ ही व्यक्ति को देश की जो पूर्ण सदस्यता एवं अधिकार प्राप्त होते हैं,उसे राष्ट्रीय नागरिकता कहा जाता है।राष्ट्रीय नागरिकता की अवधारणा इस बात में विश्वास करती है कि हमारी राज्य सत्ता हमें वह सुरक्षा और अधिकार दे सकती है जिसकी हमें आज विश्व में गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग जूनियर द्वारा किए गए नागरिक आंदोलन वर्णन करें।

उत्तर- 1950 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के अनेक दक्षिणी राज्यों में मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नेतृत्व में विषमता के खिलाफ एक नागरिक आंदोलन का जन्म हुआ। यह विषमता काली और गोरी आबादी के बीच

विद्यमान थी। गोरी आबादी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में कई विशेषाधिकार युक्त राजनीति अधिकार की व्यवस्था की गई थी और काले लोगों को राजनीतिक अधिकारों से वंचित रखा गया था। साथ ही साथ काली और गोरी आवादी के बीच नागरिक सुविधाओं को लेकर भी कई भेदभाव किये जा रहे थे।

संयुक्त राज्य अमेरिका में काले और गोरे लोगों के लिए अलग-अलग नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। ये नागरिक सुविधाएं विषमता पर आधारित थे। जैसे - रेल, बस, होटल ,रेस्टोरेंट, रंगशाला, आवास इत्यादि की व्यवस्था काले लोगों के लिए अलग स्थान पर की गई थी।

संयुक्त राज्य अमेरिका में विभेद पर आधारित कानूनों और राजनीतिक अधिकारों को लेकर एक आंदोलन हुआ जिसके नेता मार्टिन लूथर किंग जूनियर थे। मार्टिन लूथर किंग जूनियर काले लोगों के प्रधान नेता थे। जूनियर का कहना था कि काले और गोरे लोगों के बीच विद्यमान असमानता "समाजिक कोढ़ "की तरह है। बिभेद पर आधारित कानूनों के खिलाफ मार्टिन लूथर जूनियर किंग शांतिपूर्ण और अहिंसक प्रतिरोध का आंदोलन किये। जूनियर ने एक भाषण में कहा "हमें अपने रचनात्मक प्रतिरोध को कभी भी शारीरिक हिंसा में ढालकर पतन का शिकार नहीं होने देना चाहिए।"

2. शरणार्थीयों की समस्याओं का वर्णन करें।

उत्तर- वह व्यक्ति विशेष या उनका समूह जो किसी भी कारण बस अपना घर बार या देश छोड़कर अन्य स्थानों पर रह रहे हैं, शरणार्थी कहलाते हैं। शरणार्थियों की समस्याएं आज एक वैश्विक संकट के रूप में सामने आया है। कई देश के शरणार्थी अपने देश को छोड़कर दूसरे देश में पलायन के लिए मजबूर है। जैसे-फिलिस्तीनी शरणार्थी, बांग्लादेशी शरणार्थी, अफगानी शरणार्थी, म्यांमार की शरणार्थी इत्यादि। शरणार्थियों के वजह से आज विश्व में कई समस्याएं उत्पन्न हुई हैं- राज्य विहीन होने का संकट, आवास की संकट, आश्रय स्थल का संकट, बेरोजगारी, भुखमरी, महामारी,कुपोषण, शोषण, हिंसा, यौन शोषण, बलात श्रम, मानव तस्करी और मानव व्यापार, हिंसक गतिविधियां, संगठित अपराध और आतंकवादी गतिविधि इत्यादि संकट. शरणार्थियों के लिए आज सबसे बड़ा संकट राज्य विहीन होना, मानवाधिकार का हनन होना और पहचान की संकट है।

युद्ध, महामारी, अकाल, शोषण, उत्पीड़न इत्यादि वजह से लोग एक देश से दूसरे देश में पलायन करने के लिए मजबूर होते हैं। जब ये लोग अपने देश वापस जाना चाहते हैं, तब वे देश उन्हें स्वीकार करने के लिए राजी नहीं होते और वे लोग अपने घर लौट नहीं पाते हैं। जिसकी वजह से ये लोग शरणार्थी बन जाते हैं और शिविरों में या अवैध प्रवासी के रूप में या घुमंतू जीवन जीने के लिए मजबूर हो जातें हैं। ये शरणार्थी अपने बच्चों को पढ़ा लिखा नहीं सकते और उनके लिए संपत्ति अर्जित नहीं कर सकते। समस्याएं इतनी विकराल है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने शरणार्थियों की जांच करने और मदद करने के लिए उच्चायुक्त नियुक्त कर दिया है।

3. वैश्विक नागरिकता शरणार्थियों की समस्याओं को हल करने में कैसे मदद कर सकता है?

उत्तर- वैश्विक नागरिकता का अर्थ है वैश्विक व्यवस्था के एक मूर्त राजनीतिक आदर्श के प्रति प्रतिबद्धता। इस व्यवस्था के तहत सभी व्यक्तियों के पास समान कानूनी अधिकार और कर्तव्य होते हैं। न्यूयॉर्क घोषणा शरणार्थियों की शरण देने वाले देशों के प्रति जिम्मेदारी और जवाबेदेही भी तय करती है।इसके अनुसार शरणार्थियों को आश्रय देने वाले देश को भी सामाजिक तथा आर्थिक उन्नति के लिए सकारात्मक कार्य करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी अधिनियम 1951 के माध्यम से शरणार्थियों को सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करने की बात कही गई है।

वैश्विक नागरिकता का विचार राष्ट्र की सीमाओं को लांघकर राज्य विहीन लोगो एवं शरणार्थियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए अनेक देशों को मिलकर सामूहिक प्रयास करने पर बल देता है। वैश्विक नागरिकता की अवधारणा इस बात में विश्वास करती है कि विश्व के समस्त देशो की सरकारें और वैश्विक सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएं आपसी तालमेल के माध्यम से शरणार्थियों की मूल समस्याएं भोजन, वस्त्र, आवास, बीमारी, अशिक्षा, गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, आश्रय स्थल और पहचान की संकट इत्यादि को हल कर सकते हैं। हम सभी मानव होने के नाते विश्व के नागरिक हैं और वैश्विक रूप से हमारे कुछ अधिकार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व भी हैं।